कीटनाशी उपयोग में सावधानियाँ -

(1) कीटनाशी का मिश्रण बनाने के लिए लम्बी डंडी या लम्बे हैंडिल वाले घोलक का प्रयोग करें। हाथ से मिश्रण कभी न बनायें।

(2) खाली हुए कीटनाशी यंत्रों को पानी की नालियों में धोयें व खाली डिब्बों को जमीन की गहराई में दबा दें। इन्हें किसी अन्य प्रयोग में न लाएँ।

(3) ठीक प्रकार से लगे हुए केवल व सुरक्षित डिब्बे में ही कीटनाशी दवाओं को खरीदें।

(4) कीटनाशी का प्रयोग करते समय बताई गई हिदायतों का पालन करें तथा डिब्बे पर लगे लेबुल व दिये गये निर्देशों/सूचना पुस्तिका को अवश्य संभालकर रखें।

(5) कीटनाशकों का छिड़काव करते समय धूम्रपान, खाना-पीना न करें और तम्बाकू भी न चबायें। कीटनाशी का हवा के विरूद्ध कभी भी छिड़काव न करें।

प्राचीन भारत में कृषि पंडित 'घाघ' की सोच/उक्तियाँ

(क) दिन में गर्मी रात में ओस। कहें घाघ वर्षा सौ कोस।
(ख) नीचे ओद ऊपर बदराई। कहे घाघ तब गेरूई आई।
(ग) गोबर मैला नीम की खली। इससे खेती दूनी फली।
(घ) जेकरे खेत परै ना गोबर। उहि किसान को जानो दूबर।
(ङ) धान गिरै सुभागे का। जौ गेहूँ गिरै अभागे का।
(च) चित्रा गेहूँ आर्द्रा धान। न ओके गेरूई न ओके घाम।
(छ) गेरूई-गेहूँ, गंधी-धान। बिना अन्न के मेरे किसान।
(ज) पूसै-माघ बहे पुरवाई। तब सरसों को माहो खाई।

उर्वरकों में मिलावट की पहचान

उर्वरक की शुद्धता आवश्यक है। रासायनिक उर्वरक काफी मँहगे होते हैं। अत: उर्वरक शुद्धता परखकर ही खरीदें।

मिलावट किसकी ?

1.	यूरिया में	- मुख्य मिलावट साधारण नमक
2.	डी०ए०पी० में	- दानेदार एस०एस०पी०, एन०पी०के० मिक्स्चर
3.	कैलसियम नाइट्रेट में	- क्ले मिट्टी, जिप्सम की गोलियाँ
4.	एन०पी०के० में (एम०ओ०पी०)	सिंगल सुपर फास्फेट, दानेदार जिप्सम, सस्ती एन०पी०के०
6.	जिंक सल्फेट में	मैग्नीशियम सल्फेट
7.	कापर सल्फेट में	- बालू, साधारण नमक
8.	फेरस सल्फेट में	- बालू, साधारण नमक
9.	सिंगल सुपर फास्फेट में	- बालू, राख, जिप्सम की गोलियाँ

कैसे पहचाने ?

(क) यूरिया - (1) शुद्ध यूरिया के दाने गोल, सफेद, चमकदार, समान आकार के होते हैं।

(2) गर्म तवे पर रखने पर पिघल जाता है और कोई अवशेष नहीं बचता।

(3) एक ग्राम यूरिया चम्मच या परखनली में गर्म करें। यदि यह पिघल कर पानी जैसा हो जाता है तो शुद्ध है. बिना पिघला पदार्थ जितना ज्यादा बचेगा मिलावट उतनी ही ज्यादा समझें।

(4) हथेली पर थोड़ा पानी लें, दो मिनट बाद जब पानी का ताप हथेली के ताप के अनुरूप हो जाये तो 10/15 दाने यूरिया डालें। सही यूरिया होने पर हथेली में ठंडक महसूस होगी। यदि ठंडक कम महसूस हो तो मिलावट है।

(ख) डी०ए०पी० - (1) डी०ए०पी० के दाने एक गोलाकार नहीं होते।

(2) डी०ए०पी० को गर्म करने पर या जलाने पर दाने फूलकर दोगुने आकार के हो जाते हैं।

(3) डी०ए०पी० के दोनों को पक्के फर्श पर डालकर जूते से रगड़ने पर असली दानें आसानी से फूटेंगे नहीं।